Mansa
Date ____ Page ____

History
Paper - 3

B.A, Part-2
Unit : 5

Topic : Sufism (सूफीवाद)

Dr. Md. Shakil Akhtar, (Lect. 19)

Date : 18.04.2020

Introduction :-

सूफीमत इस्लाम धर्म में उदार, रहस्यवादी और संश्लेषणात्मक प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाली विचारधारा है। सूफी शब्द की उत्पत्ति के संबंध में इतिहासकारों में मतभेद है। एक विचार के अनुसार सूफी शब्द की उत्पत्ति अरबी भाषा के 'सफा' शब्द से हुई, जिसका अर्थ है पवित्रता। इसके अनुसार जो व्यक्ति आध्यात्मिक रूप से और आचार-विचार में पवित्र थे वे ही सूफी थे। एक अन्य विचार के अनुसार सूफी शब्द की उत्पत्ति 'सफ' अर्थात पंक्ति। इसका अर्थ है सफ में खड़े होने की प्रक्रिया जिस अनुशासन की द्योतक थी। आध्यात्मिक जीवन में

Scanned with CamScanner

ऐसी अनुशासन का पालन करने वाले सूफी थे।

कुछ लोग इस शब्द को यूनानी भाषा के सोफिया (sophists) से जोड़ते हैं जो निरंतर घूमने वाले संत थे जो अपने विचारों का प्रचार करते थे।

मगर सबसे प्रामाणिक विचार यह है कि सूफी शब्द अरबी भाषा के सूफ शब्द से उत्पन्न हुआ है। जिस का अर्थ है ऊन और सूफी ऊनी वस्त्र धारण करने वाले संत और धर्म प्रचारक थे। 8 वीं शताब्दी में खुरासान और इराक के क्षेत्रों में भ्रमणशील संतों की चर्चा मिलती है। इन इलाकों में ठण्डी जलवायु के कारण वे सामान्यतः ऊनी लिबास या कंबल ओढ़े रहते थे। यह अहले सूफा या ऊनी वस्त्र धारण करने वाले कहलाये। इसी शब्द से सूफी शब्द की उत्पत्ति हुई।

उत्पत्ति के कारण : उत्पत्ति की व्याख्या भी अलग-अलग ढंग से की गई है।

कुछ इतिहासकारों ने इसे ईसाई धर्म से प्रभावित माना है कुछ ने बौद्ध और हिन्दू धर्म से।

कुछ अन्य इतिहासकार के अनुसार ईरान के सांस्कृतिक और ~~बौद्धिक~~ बौद्धिक

Mansa
Date Page

प्रभावों से इस्लाम में जो परिवर्तन आये वे ही सूफी विचारधारा के रूप में प्रकट हुए।

जबकि सूफियों की अपनी रचनाओं में इस दर्शन को कुरान और हदीस में निहित सार की अभिव्यक्ति माना है।

जबकि कुछ इतिहासकारों के अनुसार नवअफलातूनी दर्शन (Neo-Platonic Philosophy) की भूमिका को इसके विकास में महत्वपूर्ण माना गया है।

जब इस्लामी साम्राज्य का प्रसार संसार के विभिन्न भागों में हुआ, इस क्रम में इस्लाम अन्य विचारों और धर्मों के सम्पर्क में आया। कालांतर में इस्लाम के उपदेशों की व्याख्या दो ढंग से होने लगी।

① शरीयत के रूप में जिसपर रूढ़िवादी रूढ़िवादिता या Orthodoxy का प्रभाव था। जो नये विचारों को नकारा और उन्हें इस्लाम के प्रतिकूल समझा।

② तरीकत रूप जिस में उदारवादी प्रवृत्ति थी, जो नये विचारों को, जो इस्लाम के बुनियादी सिद्धांतों के विपरीत नहीं थे अपनाया। इस व्याख्या को सूफीयों ने अपनाया।

सूफीमत की उत्पत्ति में वैचारिक प्रभावों के अतिरिक्त राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक कारण भी थे, जो निम्नलिखित थे।

राजनीतिक, 8वीं और 9वीं शताब्दी इस्लामी

Scanned with CamScanner